Syllabus and **Semester** *Course Scheme*
Academic year 2023-24

M.A. – Sanskrit

Exam.-2023& 2024

UNIVERSITY OF KOTA

MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India

Website: uok.ac.in

MASTER OF ARTS

SUBJECT - SANSKRIT

SCHEME OF SEMESTER EXAMINATION, 2023-2024

Course Code : SAN 11100 T

Period per week- **06** Credit - **06**

Each Theory Paper 3 hrs. duration 100 Marks

Internal Assessment 50 Marks

Total = 150 Marks

Continuous Assessment Weightage					**External Assessment Weightage**	**Total Marks (Total Credit)**
Regular Students		**Private Students**		**Total**	Paper Based External Evaluation (End Tarm Examination)	
Mid-Term	Seminar/Project Report/Presentation	Report Writing	Viva-voce			
30	20	30	20	**50**	**100**	**150 (06)**

I Year SemesterProgramme Structure

Year/ Semester	**Serial Number, Code & Nomenclature of Paper**			**Duration of Exam**	**Teaching Hrs/ Week & Credit**			**Distribution of Marks**			**Min. Pass Marks**	
	Number	Paper/ Code	Nomenclature		L	P	C	Internal Assess.	Sem. Assess.	Total Marks	Internal Assess.	Sem. Assess.
I Year/ I Semester	1.1	Paper-I SAN 101	**वैदिक साहित्य**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ I Semester	1.2	Paper-II SAN 102	**संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं आख्यायिका**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ I Semester	1.3	Paper-III SAN 103	**भारतीय दर्शन**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ I Semester	1.4	Paper-IV SAN 104	**भाषा–विज्ञान तथा शास्त्रीय साहित्य का इतिहास**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
Total					**24**	**-**	**24**	**200**	**400**	**600**		

I Year/ II Semester	2.1	Paper-V SAN 201	**डपनिषद् एवं वेदांग साहित्य**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	2.2	Paper-VI SAN 202	**संस्कृत रूपक और खण्ड काव्य**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	2.3	Paper-VII SAN 203	**योग, वेदान्त और चार्वाक दर्शन**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	2.4	Paper-VIII SAN 204	**संस्कृत व्याकरण**	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
		BestChoice CHOI B01	**वैदिक साहित्य**		2		2	50	50			20
Total					**26**	**-**	**26**	**250**	**450**	**600**		

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective) - अधिस्नातक का संपूर्ण पाठ्यक्रम इस उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया गया है कि विद्यार्थी संस्कृत साहित्य एवं भाषा की मूल संरचना की समझ विकसित करते हुए इस साहित्य को समृद्ध कर सके। वैदिक साहित्य एवं जीवन दर्शन के ज्ञान को प्राप्त कर भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे बढ़ा सके।

एम.ए. सेमेस्टर प्रथम
संस्कृत साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य
Paper Code : SAN - 101

समय 3 घण्टे **न्यूनतम उत्तीर्णांकः40** **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है,जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16=**80अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – ऋग्वेद – मरुत् (1.85), रुद्र (2.33) उषस् (4.51) वरुण (7.86)
2. द्वितीय इकाई– ऋग्वेद– पुरूशसूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ 10.121, वाक् (10.125), नासदीय(10.129)
3. तृतीय इकाई– संवादसूक्त– 1. विश्वामित्र–नदी (3.33), 2. यम–यमी (10.10), 3. पुरूरव–उर्वशी (10.95) 4. सरमा–पणी (10.108)
4. चतुर्थ इकाई – अथर्ववेद– राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29), पृथिवी (12.1), काल सूक्त (19.53)
5. पंचम इकाई – वैदिक साहित्य का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

विशेष निर्देश– खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम के दो भाग (अ) एक मंत्र की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और (ब) एक मंत्र की व्याख्या हिन्दी माध्यम (8 **अंक**) से पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय एवं चतुर्थ से 2–2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। तृतीय एवं पंचम इकाई से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन –शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य–20 अंक
लिखित परीक्षा/मौखिक परीक्षा – विषय आधारित **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. ऋक् सूक्तसंग्रह – डॉ. हरिदत्त शास्त्री
2. ऋग्भाष्यसंग्रह – डॉ. देवराज चानना, दिल्ली
3. वैदिक वाड्.मय एक परिशीलन – ब्रज बिहारी चौबे
4. ऋग्वेद भाष्य – स्वामी दयानन्द
5. वैदिक स्वर मीमांसा – पं. युधिष्ठिर मीमांसक
6. वैदिक स्वर बोध – ब्रज बिहारी चौबे
7.वैदिक साहित्य – रामगोविन्द त्रिवेदी

द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं आख्यायिका
Paper Code : SAN - 102

समय 3 घण्टे **न्यूनतम उत्तीर्णांकः40** **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है,जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16=**80अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ) –प्रथम परिच्छेद (सम्पूर्ण)
2. द्वितीय इकाई – साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ) –द्वितीय परिच्छेद (सम्पूर्ण)
3. तृतीय इकाई–साहित्य दर्पण(आचार्य विश्वनाथ)–तृतीय परिच्छेद 1–28 एवं छठा परिच्छेद 1–30 कारिका
4. चतुर्थ इकाई –हर्षचरितम् (बाणभट्ट) – प्रथम उच्छ्वास
5. पंचम इकाई –सम्बन्धित प्रश्न (साहित्य दर्पण एवं हर्षचरितम्)

विशेष निर्देश–खण्ड'ब'

इकाई प्रथम से एक सामान्य प्रश्न हिन्दी माध्यम से पूछा जायेगा (**16 अंक**)। इकाई द्वितीय से 2 कारिकाओं की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय के दो भाग (अ) एक कारिका की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और (ब) एक कारिका की व्याख्या हिन्दी माध्यम से (**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई पंचम से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन –शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य–20 अंक
लिखित परीक्षा/मौखिक परीक्षा – विषय आधारित **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. साहित्य दर्पण –डॉ. निरूपण विद्यालंकार
2. साहित्य दर्पण – आचार्य शालिग्राम शास्त्री (विमल टीका)
3. हर्षचरित : एक अध्ययन – डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल
4. हर्षचरित – पी.वी. काणे
5. हर्षचरित – एम.आर काणे

तृतीय प्रश्न पत्र – भारतीय दर्शन
Paper Code : SAN - 103

समय 3 घण्टे **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 40** **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है,जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16=**80अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण कृत) –1 से 36 कारिका
2. द्वितीय इकाई – सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण कृत) –37 से 72 कारिका
3. तृतीय इकाई – तर्क भाषा (केशवमिश्र कृत) –प्रारम्भ से अनुमान प्रमाण पर्यन्त
4. चतुर्थ इकाई – तर्क भाषा (केशवमिश्र कृत) –उपमान प्रमाण से प्रामाण्यवाद पर्यन्त
5. पंचम इकाई –सम्बन्धित प्र न (सांख्यकारिकाएवं तर्कभाषा)

विशेष निर्देश–खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम के दो भाग (अ) एक कारिका की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और (ब) एक कारिका की व्याख्या हिन्दी माध्यम से (**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से 2 कारिकाओं की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय से दो सामान्य प्रश्न पूछे जायेंगे (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से 2 कारिकाओं की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन –शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य–20 अंक
लिखित परीक्षा/मौखिक परीक्षा – विषय आधारित **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. सांख्यकारिका – डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी
2. सांख्यकारिका – डॉ. विमला कर्नाटकर
3. सांख्यतत्व कौमुदी – रामशंकर भट्टाचार्य
4. तर्कभाषा – आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. तर्कभाषा – पं. बद्रीनाथ शुक्ल, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. तर्कभाषा – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
7. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
8. भारतीय दर्शन – डॉ. उमेश मिश्र, हिन्दी समिति उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ
9. भारतीय दर्शन – दत्ता एंव चटर्जी (हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण)

चतुर्थ प्रश्न पत्र– भाषा–विज्ञान तथा शास्त्रीय साहित्य का इतिहास
Paper Code : SAN - 104

समय 3 घण्टे **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 40** **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है,जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16=**80अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – भाषा विज्ञान – भाषा विज्ञान का अर्थ, भाषा की उत्पत्ति तथा विकास
2. द्वितीय इकाई – ध्वनि–विज्ञान, उच्चारण–अवयव, ध्वनि–परिवर्तन के कारण, प्रसिद्ध ध्वनि–नियम
3. तृतीय इकाई – अर्थ विज्ञान – अर्थ परिवर्तन के कारण एवं अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।
4. चतुर्थ इकाई– भाषाओं का आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण, भारोपीय–परिवार की विशेषताएँ केण्टुम–शतम् वर्ग। भारतीय भाषाओं का अध्ययन, वैदिक–लौकिकसंस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश भाषाएँ।
5. पंचम इकाई– शास्त्रीय साहित्य का इतिहास वास्तु, ज्योतिष, गणित, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद तथा अलंकार ाास्त्र का संक्षिप्त परिचय।

विशेष निर्देश–खण्ड 'ब' प्रत्येक इकाई से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी 5×16 = **80 अंक**।

आन्तरिक मूल्यांकन –शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य–20 अंक
लिखित परीक्षा/मौखिक परीक्षा – विषय आधारित **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. भाषा–विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. संस्कृत–भाषा–विज्ञान – डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3. भाषा का इतिहास – श्री भगवद्दत्त
4. संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन–डॉ. भोला शंकर व्यास, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
5. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास – प्रियव्रत शर्मा
6. आयुर्वेद का प्रामाणिक इतिहास – भगवत राम गुप्त कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
7. भारतीय ज्योतिष – डॉ. नेमीचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
8. भारतीय ज्योतिष–डॉ. शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी समिति, लखनऊ उ.प्र.
9. ज्योतिष विज्ञान निर्झरी – राजस्थान संस्कृत अकादमी प्रकाशन, जयपुर
10. सुगम ज्योतिष प्रवेशिका – गोपेश कुमार ओझा
11. वास्तुशास्त्र प्रबोधिनी – सीताराम शर्मा, राजस्थान ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान, जयपुर ।

एम.ए. सेमेस्टर द्वितीय
संस्कृत साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – उपनिषद् एवं वेदांग साहित्य
Paper Code : SAN - 201

समय 3 घण्टे **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 40** **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है,जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो।

5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – कठोपनिषद् (प्रथम वल्ली)
2. द्वितीय इकाई– कठोपनिषद् (द्वितीय वल्ली)
3. तृतीय इकाई – निरुक्त – यास्क (प्रथम अध्याय)
4. चतुर्थ इकाई – निरुक्त – यास्क (द्वितीय अध्याय)
5. पंचम इकाई –सम्बन्धित प्रश्न (कठोपनिषद् एवं निरुक्त)

विशेष निर्देश– खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम के दो भाग (अ) एक मंत्रकी व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और (ब) एक मंत्र की व्याख्या हिन्दी माध्यम से (**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से 2 मंत्रों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय से दो अंशो की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से चार पदों का निर्वचन (4×4=16 अंक)। इकाई पंचम से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन –शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य–20 अंक
लिखित परीक्षा/मौखिक परीक्षा – विषय आधारित **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. कठोपनिष्द् – गीताप्रेस गोरखपुर
2. फिलोसोफी ऑफ द उपनिषद्स – एस. राधाकृष्णन
3. निरुक्त – आचार्य विश्वेश्वर
4. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत रूपक तथा खण्डकाव्य
Paper Code : SAN - 202

समय 3 घण्टे **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 40** **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है,जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो।

5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – मेघदूतम् (कालिदास)
2. द्वितीय इकाई –वेणीसंहारम् (भट्टनारायण) 1 से 3 अंक
3. तृतीय इकाई –वेणीसंहारम् (भट्टनारायण) 4 से 6 अंक
4. चतुर्थ इकाई –रत्नावली (श्रीहर्षदेवकृत)
5. पंचम इकाई –सम्बन्धित प्रश्न (मेघदूतम्)

विशेष निर्देश– खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम के दो भाग (अ) एक पद्य की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और (ब) दो सूक्तियों की व्याख्या (4+4=**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से 2 पद्यों की संप्रसग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय से सामान्य प्रश्न। इकाई चतुर्थ से 2 पद्यों की संप्रसग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन –शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य–20 अंक
लिखित परीक्षा/मौखिक परीक्षा – विषय आधारित **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. मेघदूतम् – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
2. मेघदूतम् : एक अध्ययन – डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल
3. मेघदूतम् :एक पुरानी कहानी– डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. वेणीसंहारम –तारिणीश झा
5. वेणीसंहारम – रामदेव झा एवं आदित्य नारायण पाण्डेय, चौखम्बा अमर भारती प्रकाशन,वाराणसी
6. रत्नावली –रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

तृतीय प्रश्न पत्र – योग, वेदान्त एवं चार्वाक दर्शन
Paper Code : SAN - 203

समय 3 घण्टे **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 40** **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है,जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो।

5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई –वेदान्तसार (सदानन्द कृत)
2. द्वितीय इकाई –योगसूत्र (पतंजलि कृत) – समाधिपाद
3. तृतीय इकाई –योगसूत्र (पतंजलि कृत) – साधनपाद
4. चतुर्थ इकाई –चार्वाक दर्शन – सर्वदर्शन संग्रह से
5. पंचम इकाई –सम्बन्धित प्रश्न (वेदान्तसार)

विशेष निर्देश– खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम वेदान्तसार से (अ) एक व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और (ब) एक व्याख्या हिन्दी माध्यम से (**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से 2 सूत्रों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय से 2 सूत्रों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से एक सामान्य प्रश्न। इकाई पंचम से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन –शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य–20 अंक
लिखित परीक्षा/मौखिक परीक्षा – विषय आधारित **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. पतंजलि योगसूत्र– चौखम्बा संस्कृत प्रकाशन,वाराणसी
2. वेदान्तसार – डॉ. शिवसागर त्रिपाठी, ज्ञानप्रकाशन, मेरठ
3. वेदान्तसार – डॉ. सन्तनारायण श्रीवास्तव
4. सर्वदर्शन संग्रह – माधवाचार्य, चौखम्बा विद्याभवन प्रका ान, वाराणसी

चतुर्थ प्रश्न पत्र – व्याकरण शास्त्र
Paper Code : SAN - 204

समय 3 घण्टे **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 40** **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है,जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो।

5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – लघु सिद्धान्त कौमुदी – प्रक्रिया भाग (णिजन्त से नामधातवः तक)
2. द्वितीय इकाई – लघु सिद्धांत कौमुदी– प्रक्रिया भाग (आत्मनेपद से लकारार्थ तक)
3. तृतीय इकाई – लघु सिद्धांत कौमुदी– कारक प्रकरण प्रथम से चतुर्थ विभक्ति
4. चतुर्थ इकाई– लघु सिद्धांत कौमुदी– कारक प्रकरण पंचमी से सप्तमी विभक्ति
5. पंचम इकाई –अपठित हिन्दी गद्यांश का संस्कृत में अनुवाद

विशेष निर्देश– खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से चतुर्थ के दो–दो भाग होंगें (अ) दो–दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या और (ब) दो–दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि (2×4=8+2×4=8) = 16 अंक। इकाई पंचम से अपठित हिन्दी गद्यांश का संस्कृत में अनुवाद पूछा जायेगा।

आन्तरिक मूल्यांकन –शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
प्रोजेक्ट, असाइन्मेंट आदि कार्य–20 अंक
लिखित परीक्षा/मौखिक परीक्षा – विषय आधारित **30 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. लघु सिद्धांत कौमुदी– भीमसेन शास्त्री
2. लघु सिद्धांत कौमुदी– महेश सिंह कुशवाह
3. लघु सिद्धांत कौमुदी–डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर
4. एम.ए. संस्कृत–व्याकरण – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
5. संस्कृत–व्याकरण – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी,
6. व्याकरण शास्त्र का इतिहास – युधिष्ठिर मीमांसक
7. कारक दीपिका – श्री मोहन वल्लभ पन्त

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर
(Choice Best Credit System)
पेपर CHOI B01 - वैदिक साहित्य

समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा–

इकाई 1 संहिता भाग
इकाई 2 ब्राह्मण भाग
इकाई 3 आरण्यक भाग
इकाई 4 वैदिक व्याख्या पद्धति
इकाई 5 वेदों का काल निर्धारण

सहायक ग्रन्थ–

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. भारतीय संस्कृति का विकास (वैदिक धारा)– डॉ. मंगलदेव शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन

Course Learning Outcome (पाठ्यक्रम अधिगम से परिलाभ)–

इस पाठ्यक्रम के अधिगम से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य की समस्त विधाओं, जीवन दर्शन, आध्यात्मिकता, सांस्कृतिक परंपराओं, वैदिक दर्शन, ज्योतिष आदि शास्त्रों का संपूर्ण ज्ञान प्राप्त कर परिवार,समाज एवं राष्ट्र को प्रगति पथ पर बढ़ाते हुए उत्कृष्ट चरित्र का निर्माण कर सकेंगे और आजीविका के क्षेत्र में भी सफल होंगे।

———————————